केवल आप के लिये

गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम

सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com

मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती

www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क

मो0 9450567450

9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 295 रविवार 25 मई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

नीति आयोग की बैठक: केंद्र–राज्य टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं– मोदी

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नीति आयोग की दसवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता की। इसमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के रोडमैप पर विचार–विमर्श किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह प्रधानमंत्री की सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ पहली बड़ी बैठक थी।

बैठक का विषय 'विकसित राज्य के लिए विकसित भारत/2047' था। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। वहां सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचे उपलब्ध कराने चाहिए। एक राज्य– एक वैश्विक गंतव्य। इससे पड़ोसी शहरों का भी पर्यटन स्थल के रूप में विकास होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें अपने कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक शामिल किया जा सके। हमें इस तरह काम करना चाहिए कि लागू की गई नीतियां आम नागरिकों के जीवन में बदलाव ला सकें। जब लोग बदलाव महसूस करते हैं, तभी यह बदलाव मजबूत होता है और बदलाव को एक आंदोलन में बदल देता है।

उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में हमारे पास 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक बड़ा अवसर है। हमें एक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए– 2047 तक भारत को विकसित बनाना। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हर राज्य विकसित हो, हर शहर विकसित हो, हर नगर पालिका विकसित हो और हर गांव विकसित हो। अगर हम इन तर्ज पर काम करेंगे, तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

इस बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में राज्य के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में शविकसित राज्य–विकसित भारत 2047श के संकल्प को साकार करने के लिए आयोजित यह बैठक राज्यों की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए राज्य सरकारों के तीन उप–समूहों के गठन का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि उनका राज्य इस राष्ट्रीय आकांक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। जीडीपी वृद्धि पर पहला उप–समूह निवेश, विनिर्माण, निर्यात और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखेगा। जनसंख्या प्रबंधन पर दूसरा उप–समूह भारत को वृद्धावस्था और कम प्रजनन क्षमता जैसी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयारी करते हुए अपने जनसांख्यिकीय लाभ का लाभ उठाने में मदद करेगा। तीसरा उप–समूह प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करेगा।

एनडीए शासित पुडुचेरी सहित तीन दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों एन. चंद्रबाबू नायडू, एमके स्टालिन और ए. रेवंत रेड्डी ने बैठक में शिरकत की। कांग्रेस शासित कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया राज्य में पूर्व व्यस्तताओं में व्यस्त थे। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने अपनी ओर से अपने कैबिनेट सहयोगी के एन. बालगोपाल को भेजा। इसी तरह पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी भी इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

एक नजर

मानवाधिकार से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पैकोलिया थाना क्षेत्र के चांदपुर चौबे गांव की उमा देवी ने मानवाधिकार आयोग, दिल्ली को पत्र भेजकर स्थानीय पुलिस पर आरोप लगाया है। पत्र में कहा गया है कि 2021 में थाना परसरामपुर के थानाध्यक्ष और एक सब इंस्पेक्टर ने मिलकर उनके बेटे सूरज चौबे के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज करवाया था। इस मामले की जांच मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर एसआईटी कर रही है।

उमा देवी के मुताबिक, हरैया थानाध्यक्ष और एसओजी प्रभारी जांच को प्रभावित करने के लिए उनके घर पर लगातार दबिश दे रहे हैं। 16 अप्रैल 2025 को भी पुलिस टीम ने उनके घर पर छापा मारा और सूरज चौबे की तलाश की। यह दबिश ऐसे समय में की गई जब उनके बेटे के खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं था।

महिला ने आरोप लगाया है कि थाना हरैया में उनके बेटे और उसके दोस्त रोहित पांडे के खिलाफ दो फर्जी मुकदमे दर्ज किए गए हैं। 18 मई 2025 को एसओजी प्रभारी और हरैया थानाध्यक्ष ने रोहित पांडे को मसकनवा रेलवे स्टेशन (गोंडा) से गिरफ्तार किया। लेकिन न तो उसका चालान किया गया और न ही परिजनों को कोई सूचना दी गई। इससे परिजनों को रोहित के फर्जी एनकाउंटर की आशंका है।

उमा देवी ने मानवाधिकार आयोग से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई है।

पत्रकार को मातृ शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पत्रकार सर्वेश श्रीवास्तव की माता जी के निधन से शोकाकुल साथी पत्रकारों ने प्रेस क्लब सभागार में प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी। सर्वेश श्रीवास्तव की माता जी मां चंद्र मोहिनी श्रीवास्तव का शुक्रवार को सुबह 6.00 बजे निधन हो गया था। शोकसभा के दौरान पत्रकारों ने 2 मिनट का मौन रख कर मृतात्मा की शांति और शोककाकुल परिवार को दुख की इस घड़ी में साहस प्रदान के लिये ईश्वर से प्रार्थना किया।

प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने मृतात्मा के जीवन को समाजोपयोगी बताते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षिका के रूप में अपने कार्य से समाज का मार्गदर्शन किया। इस दौरान प्रकाश चंद्र गुप्ता, जयंत कुमार मिश्रा, राजेंद्र नाथ तिवारी, कृष्ण देव मिश्र, विपिन बिहारी तिवारी, मजहर आजाद, बृजेश कुमार शुक्ल, राघवेंद्र प्रसाद मिश्र, अनुराग कुमार श्रीवास्तव तबरेज आलम चंद्रभूषण श्रीवास्तव, वशिष्ठ कुमार पांडे, देवेंद्र पांडे, चंद्र प्रकाश शर्मा, राकेश चंद्र श्रीवास्तव, सोहन सिंह, राजेंद्र, महेंद्र कुमार तिवारी, संतोष कुमार तिवारी, सुदृष्टि नारायण त्रिपाठी, संदीप गोयल, वशिष्ठ कुमार पांडेय, लवकुश सिंह, राजेश कुमार पांडे, ब्रह्मदेव पांडे, डॉ अजीत कुमार श्रीवास्तव, शिव प्रकाश गौड़ आदि उपस्थित रहे।

डायट में सात दिवसीय भाषा समर कैंप शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शनिवार को सात दिवसीय भाषा समर कैंप का शुभारंभ हुआ। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके भाषा समर कैंप का शुभारंभ किया। डायट प्राचार्य ने कहा कि इस समर कैंप का उद्देश्य एक से अधिक भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए प्रेरित कर बहु भाषावाद को बढ़ावा देना है और मातृभाषा के अलावा अन्य भारतीय भाषा में बातचीत करने में कौशल हासिल कर सक्षम बनाना है। कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। पहले दिन संस्थान के सभी प्रशिक्षुओं ने विभिन्न भाषाओं में हस्ताक्षर के साथ ही बंगाली, मराठी, पंजाबी और मलयालम भाषाओं में सामान्य बातचीत प्रस्तुत किया। कई अन्य भाषाओं की गिनती, वर्णमाला का प्रस्तुतिकरण भी किया गया। कार्यक्रम की नोडल प्रवक्ता वंदना चौधरी ने बताया कि द्वितीय दिवस में वर्चुअल सिटी टूरधरियल लाइफ कन्वर्सेशन प्रैक्टिस, तृतीय दिवस में आर्ट म्यूजिक डांस पेंटिंग, चतुर्थ दिवस में स्थानीय भोजन(नेम ऑफ स्पाइस वेजिटेबल फ्रूट्स), पंचम दिवस कल्चर अप्रिशिएसन डेवलपमेंट ऑफ लिसनिंग स्किल्स अवेयरनेस ऑफ द लोकल हीरोज आर्म्ड फोर्स, फ्रीडम फाइटर्स, आर्टिस्ट, छठवें दिन नॉलेज ऑफ हिस्ट्री जियोग्राफी बाई नोइंग द नेम ऑफ रिवर्स माउंटेन हिस्टोरिकल माउंटेंस और सातवें दिन मोटिवेशन एंड क्लोजर बिंदु पर प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा।

इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डॉ ऋचा शुक्ला, अलीउद्दीन खान, कुलदीप चौधरी, इमरान खान, अमन सेन, डॉ रविनाथ, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, कल्याण पाण्डेय, शशि दर्शन त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

मोहम्मद यूनूस के इस्तीफे की अटकलों पर विराम

ढाका (आभा)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रधान सलाहकार मोहम्मद यूनूस के इस्तीफे की अटकलों को फिलहाल विराम मिल गया है। योजना मामलों के सलाहकार वाहीदुद्दीन महमूद ने शनिवार को ढाका में पत्रकारों से बातचीत में यह साफ किया कि न तो यूनुस और न ही किसी और सलाहकार ने इस्तीफे की बात की है। सभी अपने–अपने पदों पर कायम हैं और सरकार को दिए गए अपने कर्तव्यों का निर्वाह कर रहे हैं। बांग्लादेशी अखबार प्रोथोम आलो के मुताबिक, शनिवार को ढाका में राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की कार्यकारी समिति की बैठक के बाद अचानक एक बंद कमरे में अंतरिम सरकार के सलाहकारों की बैठक हुई। यह बैठक पहले से तय नहीं थी ।

बिजली कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर जलाये निजीकरण के दस्तावेज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को मुख्य अभियंता कार्यालय परिसर में विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने निजीकरण से संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

कर्मचारियों का कहना है कि बिजली जैसी आवश्यक सेवा का निजीकरण उपभोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों के लिए नुकसानदायक होगा। उनका मानना है कि निजी कंपनियां सिर्फ मुनाफे पर ध्यान देंगी। इससे आम जनता को महंगी और अनियमित बिजली आपूर्ति का सामना करना पड़ेगा।

प्रदर्शनकारियों ने 'हम निजीकरण नहीं सहेंगे' और 'बिजली विभाग हमारा है, इसे बेचना गुनाह है' जैसे नारे लगाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने अपनी नीतियों पर पुनर्विचार नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक सरकार निजीकरण का फैसला वापस नहीं लेती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। कां. अशर्फी लाल के साथ ही अनेक कर्मचारी विरोध में शामिल रहे।

तालाब से अवैध खनन को लेकर रोष: खनन माफियाओं के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

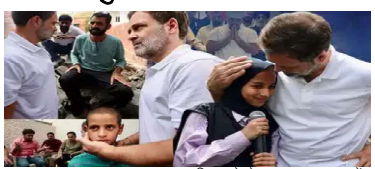

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

हरैया (बस्ती)। हरैया तहसील क्षेत्र के बड़हर कलां गांव के सरकारी तालाब की मिट्टी खोदकर ले जाने वाले खनन माफियाओं पर कोई कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। सरकारी तालाब से मिट्टी चोरी कर बेचने के मामले में राजस्व विभाग भी खामोश है। इस बाबत एसडीएम हरैया मनोज कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है मौके पर पुलिस पहुंची थी। खनन विभाग ने कार्रवाई की है। रही बात राजस्व विभाग की ओर कार्रवाई करने की तो जांच करवाता हूं। सरकारी तालाब से मिट्टी खुदाई पर सख्त कार्रवाई होगी। बता दे कि 16 मई को हरैया थानाक्षेत्र के बड़हर कलां गांव के सरकारी तालाब में जेसीबी लगाकर दर्जनों ट्रैक्टर ट्रालियों से अवैध रूप से मिट्टी का खनन बेचा जा रहा था।

प्रधान प्रतिनिधि राजकुमार पाण्डेय और ग्रामीणों ने वाहनों को पकड़ कर प्राथमिक विद्यालय परिसर में बंद करा दिया। प्रधान का आरोप है कि बगल के गांव का एक दबंग कई दिनों से अवैध खनन करा रहा था। बात पुलिस तक पहुंची तो मौके पर पहुंची पुलिस के सामने प्रधान प्रतिनिधि खनन अधिकारी के आने और कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। अगले दिन दोपहर को पहुंचे खनन अधिकारी प्रशांत यादव ने मौके पर पहुंचकर पकड़े गए ट्रैक्टर–ट्रालियों को सीज कर दिया था। अब खनन माफिया वाहनों को छुड़ाने के लिए जुर्माना भरने को तैयार हैं। इस संबंध में खनन अधिकारी प्रशांत यादव ने बताया कि अवैध खनन पर जुर्माना तय होगा। सरकारी तालाब से मिट्टी की खुदाई की रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभाग को भेजी जाएगी।

पुंछ में पीड़ितों से मिले राहुल गांधी, बढाया हौसला

पुंछ (आभा)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पुंछ के एक स्कूल का दौरा किया और पाकिस्तान की सीमा पार से हो रही गोलाबारी से प्रभावित छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि अब, आपने खतरा और थोड़ी भयावह स्थिति देखी है, लेकिन चिंता न करें, सब कुछ सामान्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटने का आपका तरीका यह होना चाहिए कि आप खूब पढ़ाई करें और खूब खेलें और स्कूल में ढेर सारे दोस्त बनाएं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी थी और इसमें कई लोगों की जान चली गई। बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। मैंने लोगों से बात की और उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश की। उन्होंने मुझसे इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का अनुरोध किया है और मैं ऐसा करूंगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के पीड़ितों से मिलने के लिए शनिवार को जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले का दौरा किया।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता का यह दूसरा केंद्र शासित प्रदेश दौरा है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। गांधी ने 25 अप्रैल को आतंकी हमले में घायल हुए लोगों से मिलने के लिए श्रीनगर का दौरा किया था। उन्होंने जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और कई हितधारकों से भी मुलाकात की थी।

ग्राम प्रधान ने किया ढाढन तालाब में अवैध खुदाई रोकने की मांग:डीएम को सौंपा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती सदर विकास खण्ड के कुसमौर ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान पवन कुमार यादव ने जिलाधिकारी को पत्र देकर ढाढन तालाब में बिना ग्राम पंचायत के अनुमति के की जा रही खुदाई को तत्काल प्रभाव से रोके जाने की मांग किया है।

पत्र में कुसमौर ग्राम प्रधान ने कहा है कि ढाढन तालाब उनकी ग्राम पंचायत में आता है। ग्राम पंचायत के समस्त परिसम्पत्तियों का मालिक ग्राम पंचायत अध्यक्ष होता है। बिना ग्राम पंचायत के अनुमति के ढाढन तालाब में खुदाई का कार्य नियमानुसार अवैध है। ग्राम पंचायत में यदि किसी प्रकार की बिक्री होती है तो शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायत के ओ.एस.आर. के खाते में जमा होनी चाहिये। पता चला है कि किसी कम्पनी को खुदाई का आदेश दिया गया है। यह शासनादेश का खुला उल्लंघन है।

ग्राम प्रधान पवन कुमार यादव ने जिलाधिकारी से मांग किया है कि ढाढन तालाब में की जा रही खुदाई को तत्काल प्रभाव से रोका जाय अन्यथा ग्रामसभा सक्षम न्यायालय में जाने को बाध्य होगी।

दलित मासूम बालिका की क्रूरता से हत्या मामले में हत्यारे गिरफ्तार न हुये तो सपा महिला मोर्चा करेगी आन्दोलन- गीता भारती

-सपा महिलासभा प्रतिनिधि मण्डल ने दुःखी परिवार से मुलाकात कर दिया आश्वासन, पुलिस से लिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को समाजवादी पार्टी महिलासभा जिलाध्यक्ष गीता भारती के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में मासूम बालिका की क्रूरता से हत्या मामले में पीड़ित परिजनों से मुलाकात किया। प्रतिनिधि मण्डल ने दुःखी परिवार को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में पार्टी उनके साथ खड़ी है और हत्यारों के शीघ्र गिरफ्तारी के लिये हर संभव प्रयास तेज किया जायेगा। इसी कड़ी में प्रतिनिधि मण्डल ने लालगंज थाने पर पहुंचकर बालिका हत्याकाण्ड के बारे में जानकारी प्राप्त किया। मौके से थाने में मौजूद सीओ ने प्रतिनिधि मण्डल को बताया कि हत्यारों की गिरफ्तारी के लिये कड़े कदम उठाये गये हैं, इस सम्बन्ध में अभी पूरा विवरण देना संभव नहीं है।

समाजवादी पार्टी महिला सभा जिलाध्यक्ष गीता भारती ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। मासूम बेटियां तक सुरक्षित नहीं है। अभी तक पुलिस दलित मासूम बेटी के हत्यारोपियों तक नहीं पहुंच सकी है। पांच वर्ष की बच्ची संग हुई हैवानियत और हत्या की घटना दुर्भाग्यपूर्ण और चिन्ताजनक है। यदि शीघ्र दोषी हत्यारे गिरफ्तार न हुये तो पार्टी संघर्ष करने को बाध्य होगी। बताया कि पार्टी के प्रदेश कार्यालय रिपोर्ट भेज दिया जायेगा और गरीब परिवार को आर्थिक सहायता देने का भी आग्रह किया जायेगा।

सपा के प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से सपा महिला सभा की प्रियंका पाल, इन्द्रावती शुक्ला, विजय लक्ष्मी गौतम, प्रिया श्रीवास्तव, सुशीला गौतम, राधा देवी, उर्मिला मिश्रा, बबिता गौतम शामिल रहीं।

बसपा के मण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक में बूथ, सेक्टर को मजबूत करने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी की मण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक शनिवार को बड़े बन के निकट स्थित एक मैरेजहाल के सभागार में मुख्य मण्डल प्रभारी पूर्व विधायक भगवानदास की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

मुख्य अतिथि एवं बस्ती, गोरखपुर, देवी पाटन मण्डल प्रभारी पूर्व विधान परिषद सदस्य विजय प्रताप ने कहा कि बसपा पूरी ताकत से संगठन को मजबूत करने में जुटी है। बूथ और सेक्टर की प्रभावी तैयारी और उनकी समीक्षा कर लिया जाय। विशिष्ट अतिथि मुख्य मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी, सीताराम शास्त्री ने कहा कि संगठन की मजबूती से ही बहन सुश्री मायावती के संकल्प साकार होंगे। इसके लिये जमीनी धरातल पर कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुट जाय और पार्टी की विचारधारा से लोगों को जोड़े।

मण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से बस्ती जिलाध्यक्ष जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम , संतकबीर नगर जिलाध्यक्ष झिनकान, सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष भरतलाल के साथ ही संजय धूसिया, राजेन्द्र कुमार गौतम, रमेश गौतम, आशीष कुमार, अवनीश कुमार, अभिषेक भारती, यशवन्त निगम, राजेश प्रताप सिंह, अतर सिंह गौतम, के. सी. मौर्या, कृपाशंकर गौतम, रामकरन गौतम, राम सागर प्रधान, प्रिन्स कुमार निगम, रामचन्द्र, रामफेर गौतम, रामचेत निराला, राम सरोज, राजेन्द्र प्रसाद आजाद, अमित कुमार चौधरी, मिश्रीलाल, राज कुमार चौधरी, जुगुल किशोर चौधरी, के.पी. राठौर, विनय अम्बेडकर, आशुतोष सिंह, अलीम अहमद, अनूप कुमार, भूपेन्द्र कुमार, उमाशंकर, अनिल आजाद, प्रदीप कुमार, दीपक, आदित्य राना, अरविन्द आर्या, दिलीप बौद्ध, भारत राज, शिव कुमार गोपी चौहान, राजेन्द्र, शिवम आजाद, श्याम भवन, वी.पी. सक्सेना, देशराज, डा. राजेश राव, राजीव कुमार के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 मई 2025 रविवार

सम्पादकीय

पंचायत चुनाव की तैयारी और राजनीति

आगामी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पूर्व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अब राजनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण हैं। लगभग 57,691 ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, 826 ब्लॉक प्रमुख, 3,200 जिला पंचायत सदस्य और 75 जिला पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा। जल्द ही अधिसूचना जारी करने की संभावना है। ऐसे में निश्चित रूप से गांव की राजनीति तेजी से बदलेगी और जिस प्रकार के हालात हैं अधिकांश पदों पर काटें की टक्कर होगी। यही कारण है कि राजनीतिक दलों ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग ने इस त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए करीब 1.27 लाख सीआर1 ग्रेड की मतपेटियों की खरीद के लिए ई–टेंडर भी जारी कर दिया है। पिछले चुनाव अप्रैल–मई 2021 में हुए थे, इसलिए इस बार चुनाव की अधिसूचना जनवरी या फरवरी 2026 के दूसरे या तीसरे हफ्ते में जारी होने की उम्मीद है। पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां शुरू हो गई हैं। सभी दल यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आरक्षण के बाद किस सीट पर कौन उम्मीदवार खड़ा हो सकता है। आरक्षण के बाद उम्मीदवारों की संभावनाओं का आकलन करना जरूरी होता है ताकि सही रणनीति बनाई जा सके। बीडीसी सदस्य और जिला पंचायत सदस्य भी होर्डिंग–पोस्टर के जरिए अपनी दावेदारी जताने लगे हैं। नेताओं और निर्वाचन आयोग की इस सक्रियता से साफ है कि पंचायत चुनाव को लेकर सियासी मशीनरी पूरी तरह से सक्रिय हो चुकी है।

पिछले पंचायत चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि पंचायत चुनावों में सत्ताधारी दल का ही दबदबा रहता है। 2021 के पंचायत चुनाव में भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस, आरएलडी, आम आदमी पार्टी और कई निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे। कुल 3050 जिला पंचायत सदस्य सीटों पर हुए चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी खासा दम दिखाया। भाजपा ने 768 सीटें जीतीं, सपा ने 759, बसपा ने 319, कांग्रेस 125, आरएलडी 69 और आम आदमी पार्टी 64 सीटों पर जीत हासिल की। निर्दलीयों की संख्या 944 रही। भाजपा ने निर्दलीयों को अपने साथ जोड़कर 67 जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी अपने नाम कर ली, जबकि सपा महज पांच जिलों में ही अध्यक्ष बना सकी। यह आंकड़ा यह बताता है कि पंचायत स्तर पर भी सत्ता का प्रभाव कितना महत्वपूर्ण होता है।

पंचायत चुनावों को 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जाता है, क्योंकि इस चुनाव में ग्रामीण क्षेत्र की बड़ी संख्या की सीटें शामिल होती हैं। उत्तर प्रदेश की लगभग दो तिहाई विधानसभा सीटें ग्रामीण इलाकों से आती हैं, इसलिए पंचायत चुनाव का नतीजा सीधे विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों की ताकत पर प्रभाव डालता है। पंचायत चुनावों में जो दल सफल होता है, उसके पास ग्रामीण वोट बैंक की मजबूत पकड़ होती है, जो आगे जाकर विधानसभा चुनावों में मददगार साबित होती है। राजनीतिक दल पंचायत चुनाव के नतीजों का विश्लेषण कर हर जिले, क्षेत्र और जाति के हिसाब से अपनी रणनीति बनाते हैं।

राजनीतिक दल पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद गहन मंथन करते हैं। जातिगत समीकरण, क्षेत्रीय ताकत, वोट प्रतिशत, पिछली बार की तुलना में वोटों में बढ़ोतरी या कमी, सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए वे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाते हैं। ये चुनाव दलों को अपनी ताकत को सही आंकने का मौका देते हैं ताकि वे कमजोर हिस्सों पर काम कर सकें। पिछले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के मतों की तुलना कर दल अपने वोट बैंक में आए बदलाव का आंकलन करते हैं। फिर इसके आधार पर उम्मीदवार चयन, गठबंधन और प्रचार रणनीति को दुरुस्त करते हैं। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि पंचायत चुनाव उत्तर प्रदेश की राजनीति की जमीन तैयार करते हैं। गांव की राजनीति से जुड़ी दलों की पकड़ मजबूत होने पर विधानसभा चुनाव में भी उनकी सफलता की संभावना बढ़ जाती है। पंचायत चुनाव में मिली सफलता से नेताओं को यह भी समझने में मदद मिलती है कि किस क्षेत्र में उनकी पार्टी की पकड़ कमजोर है और वहां वे अपनी रणनीति में बदलाव कर सकते हैं। इसके अलावा, पंचायत चुनाव से दलों को जातिगत और क्षेत्रीय समीकरणों को समझने में भी मदद मिलती है। साथ ही, पंचायत चुनावों में नए नेताओं को उभरने का मौका मिलता है। कई बार युवा और नए चेहरे इन चुनावों के जरिए राजनीति में आते हैं और आगे जाकर बड़े स्तर पर राजनीति में अपना मुकाम बनाते हैं। इसलिए पंचायत चुनाव सिर्फ स्थानीय स्तर की राजनीति तक सीमित नहीं रह जाते, बल्कि ये प्रदेश की राजनीति की दिशा तय करते हैं।

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में सियासी पार्टियों की जंग पंचायत चुनाव से शुरू होती है और यही मुकाबला विधानसभा चुनाव तक चलता रहता है। इस बार भी राजनीतिक दल पंचायत चुनावों में पूरी ताकत झोंक रहे हैं ताकि वे 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अपनी पकड़ मजबूत कर सकें। पंचायत चुनाव उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक ऐसा मंच है, जहां से सरकार बनने की राह दिखती है। इस चुनाव का परिणाम 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए सियासी मिजाज का आईना होगा।

राष्ट्रवाद को नई आँखों से देखिए!

—संजय द्विवेदी—

देश में इन दिनों राष्ट्रवाद चर्चा और बहस के केंद्र में है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम भारतीय राष्ट्रवाद पर एक नई दृष्टि से सोचें और जानें कि आखिर भारतीय भावबोध का राष्ट्रवाद क्या है? 'राष्ट्र' सामान्य तौर पर सिर्फ भौगोलिक नहीं बल्कि 'भूगोल–संस्कृति–लोग' के तीन तत्वों से बनने वाली इकाई है। इन तीन तत्वों से बने राष्ट्र में आखिर सबसे महत्वपूर्ण तत्व कौन सा है? जाहिर तौर पर वह 'लोग' ही होगें। इसलिए लोगों की बेहतरी, भलाई, मानवता का स्पंदन ही किसी राष्ट्रवाद का सबसे प्रमुख तत्व होना चाहिए।

जब हम लोगों की बात करते हैं तो भौगोलिक इकाईयां टूटती हैं। अध्यात्म के नजरिए से पूरी दुनिया के मनुष्य एक हैं। सभी संत, आध्यात्मिक नेता और मनोवैज्ञानिक भी यह मानने हैं कि पूरी दुनिया पर मनुष्यता एक खास भावबोध से बंधी हुयी है। यही वैश्विक अचेतन (कलेक्टिव अनकांशेसनेस) हम–सबके एक होने का कारण है। स्वामी विवेकानंद इसी बात को कहते थे कि इस अर्थ में भारत एक जड़ भौगोलिक इकाई नहीं है। बल्कि वह एक चेतन भौगोलिक इकाई है जो सीमाओं और सैन्य बलों पर ही केंद्रित नहीं है। भारतीय राष्ट्रवाद मनुष्य के विस्तार व विकास पर केंद्रित है। जिसे भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' कहकर संबोधित किया। यह 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उच्चार नहीं है। उपनिषद् का उच्चार है। सारी दुनिया के लोग एक परिवार, एक कुटुम्ब के हैं, इसे समझना ही दरअसल भारतीय राष्ट्रवाद को समझना है। यह राष्ट्रवाद मनुष्य की सांस्कृतिक एकता के विस्तार का प्रतीक है और हमारे सांस्कृतिक मूल्य, मानववादी सांस्कृतिक मूल्यों पर केंद्रित है। हमारी भारतीय अवधारणा में राज्य निर्मित भौगोलिक–प्रशासनिक इकाईयां प्रमुख स्थान नहीं रखतीं बल्कि हमारी चेतना, संस्कृति, मूल्य आधारित जीवन और परंपराएं ही यहां हमें राष्ट्र बनाती हैं। हमारे सांस्कृतिक इतिहास की ओर देखें तो आर्यावर्त की सीमाएं कहां से कहां तक विस्तृत हैं, जबकि सच यह है कि इस पूरे भूगोल पर राज्य बहुत से थे, राजा अनेक थे– किंतु हमारा सांस्कृतिक अवचेतन हमें एक राष्ट्र का अनुभव कराता था। एक ऐतिहासिक सत्य यह भी यह है कि हमारा राष्ट्रवाद दरअसल राज्य संचालित नहीं था, वह समाज और बौद्धिक चेतना से संपन्न संतों, ऋषियों द्वारा संचालित था। वह राष्ट्रवाद इस व्यापक भूगोल की चेतना में समाया हुआ था। यहां का ज्ञान विस्तार जिस तरह चारों दिशाओं में हुआ,वह बात हैरत में डालती है। राजा सिर्फ राज्य बनाते हैं, ऋषि अपने सांस्कृतिक अवदान से राष्ट्र बनाते हैं।

आप देखें तो बुद्ध पूरी दुनिया में अपने संदेश को यूं ही नहीं फैला पाए, बल्कि उस ज्ञान में एक ऐसा नवाचार, नवचेतन था जिसे दुनिया ने स्वतः आगे बढकर ग्रहण किया। भारत कई मायनों में अध्यात्म और चेतना की भूमि है, सच कहें तो दुनिया की तमाम स्थितियों से भारत एक अलग स्थिति इसलिए पाता है, क्योंकि यह भूमि संतों के लिए, ज्ञानियों के लिए उर्वर भूमि है। दुनिया के तमाम विचारों की सांस्कृतिक चेतना जड़वादी है, जबकि भारत की चेतना जैविक है। इसलिए भारत मरता नहीं है, क्योंकि वह जड़वादी और हठवादी नहीं है। यहां का मनुष्य सांस्कृतिक एकता के लिए तो खड़ा होता है पर विचारों में जड़ता आते ही उससे अलग हो जाता है। हमारा ईश्वर आंतरिक उन्नयन और पाप क्षय के लिए काम करता है। हमारे संत भी आध्यात्मिक उन्नयन और पापों के क्षय के लिए काम करते हैं। मनुष्य की चेतना का आत्मिक विस्तार ही इस राष्ट्रवाद लक्ष्य है। इसलिए यह सिर्फ एक खास भूगोल, एक खास विचारधारा और पूजा पध्दति में बंधे लोगों के उद्धार के लिए नहीं, बल्कि समूची मानवता की मुक्ति के काम करने वाला यह विचार है। यहां मानव की मुक्ति ही उसका लक्ष्य है। यह राष्ट्रवाद सैन्यबल और व्यापार बल से चालित नहीं है, बल्कि यह चेतना के विस्तार, उसके व्यापक भावबोध और मनुष्य मात्र की मुक्ति का विचार से अनुप्राणित है।

भारतीय संदर्भ में राष्ट्रवाद को समझना वास्तव में मानवतावाद के व्यापक परिप्रेक्ष्य को समझना है। यह विचार कहता है– "संतों को सीकरी से क्या काम" और फिर कहता है "कोई नृप होय हमें क्या हानि"। इस मायने में हम राज या राज्य पर निर्भर रहने वाले समाज नहीं थे। राजा या राज्य एक व्यवस्था थी, किंतु जीवन मुक्त था–मूल्यों पर आधारित था। पूरी सांस्कृतिक परंपरा में समाज ज्यादा ताकतवर था और स्वाभिमान के साथ उदार मानवतावाद और एकात्म मानवदर्शन पर आधारित जीवन जीता था। वह चीजों को खंड–खंड करके देखने का अभ्यासी नहीं था। इसलिए इस राष्ट्रवाद में जो समाज बना, वह राजा केंद्रित नहीं, संस्कृति केंद्रित समाज था। जिसे अपने होने–जीने की शर्तें पता थीं, उसे उसके कर्तव्य ज्ञात थे। उसे राज्य की सीमाएं भी पता थीं और अपनी मुक्ति के मार्ग भी पता थे। इस समाज में गुणता की स्पर्धा थी– इसलिए वह एक सुखी और संपन्न समाज था। इस समाज में भी बाजार था, किंतु समाज–बाजार के मूल्यों पर आधारित नहीं था। आनंद की सरिता पूरे समाज में बहती थी और आध्यात्मिकता के मूल्य जीवन में रसपगे थे। भारतीय समाज जीवन अपनी सहिष्णुता के नाते समरसता के मूल्यों का पोषक है। इसीलिए तमाम धाराएं, विचार, वाद और पंथ इस देश की हवा–मिट्टी में आए और अपना पुर्नआविष्कार किया, नया रूप लिया और एकमेक हो गए। भारतीयता हमारे राष्ट्रवाद का अनिवार्य तत्व है। भारतीयता के माने ही है स्वीकार। दूसरों को स्वीकार करना और उन्हें अपनों सा प्यार देना। यह राष्ट्रवाद विविधता को साधने वाला, बहुलता को आदर देने वाला और समाज को सुख देने वाला है। इसी नाते भारत का विचार आक्रामकता का, आक्रामण का, हिंसा या अधिनायकवाद का विचार नहीं है। यह श्रेष्ठता को आदर देने की वाली,विद्वानों और त्यागी जनों को पूजने वाली संस्कृति है। अपने लोकतत्वों को आदर देना ही इसे राष्ट्रवाद है। इसलिए यहां भूगोल का विस्तार नहीं, मनों और दिलों को जीतने की संस्कृति यहां जगह पाती है।

यहां शांति है, सुख है, आनंद है और वैभव है। यह देकर, छोड़कर और त्यागकर मुक्त होती है। समेटना यहां ज्ञान को है, संपत्ति, जमीन और वैभव को नहीं। इसलिए फकीरी यहां आदर पाती है और सत्ताएं लांछन पाती हैं। इसलिए यहां लोकसत्ता का भी मानवतावादी होना जरूरी है। यहां सत्ता विचारों से, कार्यों से और आचरण से लोकमानस का विचार करती है तो ही सम्मानित होती है। वैसे भी भारतीय समाज एक सत्ता निरपेक्ष समाज है। वह सत्ताओं की परवाह न करने वाला स्वाभिमानी समाज है। इसलिए उसने जीवन की एक अलग शैली विकसित की है, जो उसके राष्ट्रवाद ने उसे दी है। यही स्वाभिमान एक नागरिक का भी है और राष्ट्र का भी। इसलिए वह अपने अध्यात्म के पास जाता है, अपने लोक के पास जाता है और सत्ता या राज्य के चमकीले स्वप्न उसे रास नहीं आते। इसी राष्ट्र तत्व को खोजते हुए राजपुत्र सत्ता को छोड़कर वनों, जंगलों में जाते रहे हैं, ज्ञान की खोज में,सत्य की खोज में, लोक के साथ सातत्य और संवाद के लिए। राम हों, कृष्ण हों, शिव हों, बुद्ध हों, महावीर हों– सब राजपुत्र हैं, संप्रभु हैं और सब राज के साथ समाज को भी साधते हैं और अपनी सार्थकता साबित करते हैं। इसलिए भारतीय जमीन का राष्ट्रवाद एक अलग कथा है, उसे पश्चिमी पैमानों से नापना गलत होगा। आज इस वक्त जब भारतीय राष्ट्रवाद की अनाप–शनाप व्याख्या हो रही है, हमें ठहरकर सोचना होगा कि क्या सच में हममें अपने राष्ट्र की थोड़ी भी समझ बची है?

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के आचार्य और अध्यक्ष हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सुरक्षा में गेम चेंजर बनी ब्रह्मोस

-एयर मार्शल अमित तिवारी (अ.प्रा.)

महायुद्ध के दौरान वायु सेना के महारथी कहा करते थे कि हवाई ताकत स्वाभाविक रूप से आक्रामक होती है और इसको अपना काम करने की पूरी छूट होनी चाहिए, जीत के लिए हवाई युद्ध में श्रेष्ठता होना आवश्यक हैय बमवर्षक दुश्मन की रक्षा में सेंध लगा देते हैं और इसके बाद रणनीतिक बमबारी के जरिए उसकी इच्छाशक्ति को तोड़ा जा सकता है। हालिया सैन्य कार्रवाई में, भारतीय वायु सेना द्वारा हवा से प्रक्षेपित ब्रह्मोस का समायोजन सुखोई–30 एमकेआई लड़ाकू विमान से करने की सार्थकता फिर पुष्टि करती है कि यह सिद्धांत अभी भी उतना ही सही है, जिसकी वजह से पाकिस्तान युद्ध विराम का अनुरोध करने को मजबूर हुआ।

1983 में भारत सरकार ने एकीकृत गाइडेड मिसाइल विकास कार्यक्रम का गठन किया। शुरुआत में यह बैलिस्टिक मिसाइलों पर केंद्रित था। लेकिन 1991 के खाड़ी युद्ध के दौरान इराकी वायु रक्षा प्रणालियों पर अमेरिकी युद्धपोतों और हवाई जहाजों से प्रक्षेपित टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों के विनाशकारी प्रभाव ने भारत को इसका दायरा बढ़ाने को प्रेरित किया। साल 1998 में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने रूसी समकक्ष के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत ब्रह्मोस एयरोस्पेस संयुक्त उद्यम की स्थापना की गई। साल 2001 में ब्रह्मोस का पहला टेस्ट लॉन्च किया गया।

ब्रह्मोस एक दो–चरणीय क्रूज मिसाइल है, जिसके प्रथम चरण प्रकोष्ठ में एक ठोस प्रोपैलेंट बूस्टर भरा रहता है, जो मिसाइल को सुपरसोनिक (आवाज की गति) बना देता है। अपना काम पूरा करने के बाद, इस प्रकोष्ठ के अलग होने के उपरांत, आगे की उड़ान एक तरल–ईंधन चालित रैमजेट इंजन से होती है। जो इसे मैक–3 (ध्वनि की गति से तीन गुणा) जितनी क्रूजिंग रफ्तार प्रदान करता है। यह मिसाइल 15 किमी की ऊंचाई लेकर महज 10 मीटर के बीच उड़ान भर सकती है और इसकी कार्य सीमा 300–800 किमी तक हो सकती है। यह 200–300 किलोग्राम तक का पारंपरिक वारहेड (विस्फोटक) ले जा सकती है और 'फायर–एंड–फॉरगेट' सिद्धांत पर काम करती है। दागे जाने के बाद, यह इनर्शियल नेविगेशन, उपग्रहीय मार्गदर्शन और इलाके की भूगोलीय रूपरेखा के मिलान का उपयोग करके अपने लक्ष्य तक स्वायत्त रूप से पहुंचती है, और एक मीटर से भी कम की सटीकता से वार करने में समर्थ है।

हवा–से–सतह पर मार करने वाला इसका संस्करण 2017 में बना और इसे 2020 में स्क्वाड्रन 222, टाइगर शार्क्स में शामिल किया गया था। ब्रह्मोस को इसकी परम गति, सटीकता और गतिज प्रभाव सबसे घातक पारंपरिक क्रूज मिसाइलों में से एक बनाती है। ब्रह्मोस की गति से बनने वाले सीधे प्रबलित प्रहार का आघात गहरे बंकरों, युद्धपोतों या कमांड सेंटर तक को नष्ट कर सकता है। इसकी गतिज यानी काईनेटिक ऊर्जा अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइल से 32 गुना अधिक है।

जैसे–जैसे थल आधारित वायु रक्षा प्रणालियां अधिक सटीक एवं घातक होती जा रही, हवाई माध्यम (लड़ाकू विमान) को अपने काम को अंजाम देने में जो स्वतंत्रता पहले कभी हासिल थी, वह कम होती जा रही है। यूक्रेन–रूस युद्ध इसका जीवंत उदाहरण है। शुरुआती चरणों में अपने–अपने विमान बेड़े का भारी नुकसान उठाने के बाद, दोनों पक्षों ने युद्धग्रस्त क्षेत्रों में उड़ान भरने से परहेज करने और लंबी दूरी के हवाई हथियारों पर भरोसा करना शुरू किया।

यही तरीका हालिया भारत–पाक टकराव में देखने को मिला। न तो भारतीय और न ही पाकिस्तानी लड़ाकू विमान एक–दूसरे देश की वायु सीमा में दाखिल हुए। पाकिस्तानी हमलों में ज्यादा निर्भरता तुर्किये निर्मित ड्रोनों पर रही, जिनमें अधिकांश मार गिराये गये। पाकिस्तान ने 'फतह' नामक बैलेस्टिक मिसाइल का भी उपयोग किया। इन बैलिस्टिक मिसाइलों का राडार क्रॉस–सेक्शन मार्क अधिक होता है और वे एक पूर्वानुमानित लीक, उच्च–ऊंचाई वाले परवलयिक प्रक्षेप पथ (हाई आल्टीट्यूड पैराबॉलिक ट्रैजेक्ट्री) का अनुसरण करती हैं। यह उनकी कमजोरी भी बन जाता है, जिसका आकलन करके, उन्हें हवा में ही नष्ट करना आसान हो जाता है। निश्चित रूप से, भारत ने तमाम हमलावर मिसाइलों को मार गिराया। इसके विपरीत, भारत ने एकदम सटीकता के साथ लक्ष्यों को नष्ट करने की क्षमता रखने वाली ब्रह्मोस मिसाइलों को सुखोई एमकेआई–30 से छोड़ा। हालांकि विस्तृत परिणाम गोपनीय ही रहेंगे, लेकिन इनकी मार का असर निर्विवाद है। इन मिसाइलों ने सटीक हमले के मकसद हासिल करते हुए, पायलटों के लिए न्यूनतम जोखिम सुनिश्चित किया। कम ऊंचाई पर उड़ने की अपनी क्षमता, सुपरसोनिक क्रूज प्रोफाइल के कारण, ब्रह्मोस को मौजूदा वायु रक्षा प्रणालियों के साथ रोक पाना लगभग असंभव है।

भारतीय वैज्ञानिक पहले से ही भविष्य के अधिक घातक संस्करण, ब्रह्मोस–एनजी (नेक्स्ट जेनरेशन) विकसित करने में लगे हैं। यह छोटी और हल्की होंगी और तेजस, मिराज और राफेल जैसे विमानों से छोड़ी जा सकेंगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह करते वक्त गति, दायरा, मारक क्षमता या चुपके से मार करने की विशेषता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

चुनाव प्रक्रिया को समावेशी बनाने की पहल

—डॉ. जगदीप सिंह—

भारत निर्वाचन आयोग ने हाल ही में मतदाता सूची में इलेक्टर्स फोटो आइडेंटिटी कार्ड यानी ईपीआईसी नंबरों की डुप्लिकेशन समस्या को हल करने के लिए नए पहचान पत्र जारी करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय लगभग दो दशक पुरानी एक तकनीकी समस्या को संबोधित करता है, जिसमें विभिन्न राज्यों के मतदाताओं को गलती से एक जैसे ईपीआईसी नंबर आवंटित हो गए थे। इसके परिणामस्वरूप मतदान के दौरान भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई, कुछ मत अमान्य घोषित किए गए, और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगने लगे।

ईपीआईसी नंबर, जिसे आमतौर पर वोटर आईडी के रूप में जाना जाता है, भारतीय मतदाताओं की पहचान का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह प्रत्येक मतदाता को मतदाता सूची में एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है, जो निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। निर्वाचन आयोग ने इस समस्या के समाधान के लिए नए और अद्वितीय ईपीआईसी नंबरों के साथ मतदाता पहचान पत्र जारी करने का निर्णय लिया है। यह कदम मतदाता डेटाबेस को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस निर्णय का प्रभाव केवल तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह भारतीय राजनीति और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को भी सुदृढ़ करेगा।

डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों की समस्या ने मतदाता सूची की सटीकता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए थे। नए पहचान पत्रों के जारी होने से मतदाता डेटाबेस अधिक विश्वसनीय और पारदर्शी बन सकेगा, जिससे निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और कार्यक्षमता को बल मिलेगा तथा मतदाताओं का विश्वास और बढ़ेगा। पूर्व में, डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों के कारण कई मतदाताओं को मतदान करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, और कुछ मामलों में उनके मत अमान्य कर दिए जाते थे। अब, नए और अद्वितीय ईपीआईसी नंबरों के माध्यम से मतदाताओं को अपनी पहचान सत्यापित करने में सुविधा होगी, जिससे मतदान प्रक्रिया अधिक सुचारु और समावेशी बन सकेगी।

यह निर्णय निर्वाचन आयोग के डिजिटल और तकनीकी आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डुप्लिकेशन की समस्या को समाप्त करने के लिए डेटाबेस को अद्यतन करने और एक केंद्रीकृत प्रणाली को अपनाने की आवश्यकता थी। यह भविष्य में अन्य तकनीकी सुधारोंकृ जैसे आधार से मतदाता सूची को जोड़ने या बायोमेट्रिक सत्यापन को लागू करने कृ के लिए आधार प्रदान कर सकता है। साथ ही, यह निर्णय चुनावी धोखाधड़ी, जैसे फर्जी मतदान, को रोकने में सहायक सिद्ध होगा।

ईपीआईसी नंबर डुप्लिकेशन का मुद्दा हाल के महीनों में राजनीतिक विवाद का केंद्र रहा है। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को उठाकर निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न उठाए थे। उनका आरोप था कि अन्य राज्यों के मतदाताओं के ईपीआईसी नंबरों का उपयोग करके फर्जी मतदान किया जा रहा है। इस समस्या के समाधान से आयोग अपनी साख में सुधार ला सकता है और राजनीतिक दलों के बीच विश्वास पुनः स्थापित कर सकता है। हालांकि, कुछ दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास करते रह सकते हैं, लेकिन अब यह मुद्दा पहले की तुलना में कम प्रासंगिक रहेगा।

यह निर्णय मतदाता सूची और संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इससे राजनीतिक दलों और नागरिक समाज को व्यापक चुनावी सुधारों, जैसे मतदाता सूची का डिजिटलीकरण, पारदर्शी मतदान प्रणाली, और ईवीएम–वीवीपैट की विश्वसनीयता पर विमर्श के लिए प्रेरणा मिल सकती है।

हालांकि यह निर्णय सकारात्मक दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन में अनेक चुनौतियां होंगी। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में नए ईपीआईसी कार्डों का वितरण एक जटिल प्रक्रिया हो सकती है। साथ ही, मतदाताओं को नए कार्डों के बारे में जागरूक करना और पुराने कार्डों को अमान्य करने की प्रक्रिया को भी प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। भविष्य में, निर्वाचन आयोग को ऐसी समस्याओं से बचने के लिए और अधिक सुदृढ़ तकनीकी समाधानोंकृ जैसे ब्लॉकचेन आधारित मतदाता डेटाबेस या बायोमेट्रिक एकीकरण कृ पर विचार करना चाहिए। साथ ही, राजनीतिक दलों और नागरिकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना आवश्यक होगा ताकि चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर कोई संदेह न रहे।निर्वाचन आयोग द्वारा ईपीआईसी नंबर डुप्लिकेशन समस्या के समाधान हेतु लिया गया निर्णय भारतीय चुनाव व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। यह कदम मतदाता सूची की विश्वसनीयता को सुदृढ़ करेगा, मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाएगा और चुनावी धोखाधड़ी को रोकने में मदद करेगा। —लेखक असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

नकली नोट बनाने वाले गिरोह के 2 आरोपी गिरफ्तार, नोटों को बाजारों में करते थे खपत, 100 रुपए के 32 नोट बरामद

संवाददाता—गोण्डा। पुलिस ने शनिवार को नकली नोट छापने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस अवैध कारोबार के मास्टरमाइंड समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है। इनके पास से ढेर सारे नकली नोट समेत रुपए छापने के अनेक उपकरण, केमिकल, पेपर और कुछ अधूरे छपे हुए नोट भी बरामद हुए हैं। पुलिस के हत्थे चढ़े दोनों आरोपियों को लखनऊ के एएसजी न्यायालय के समक्ष शनिवार को रिमांड के लिए प्रस्तुत किया गया। दोनों आरोपी पूर्व में भी नकली नोट छापने के जुर्म में जेल जा चुके हैं और इनके विरुद्ध पुलिस द्वारा गैंगस्टर की कार्रवाई की गई थी।

थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा नवाबगंज कस्बे के बड़ई पुरवा वार्ड और अयोध्या के रामघाट में स्थित कमरों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान इन कमरों से नकच्ची भारतीय करेंसी और बड़े पैमाने पर करेंसी बनाने वाले उपकरण बरामद हुए। पुलिस ने इस अवैध धंधे के मुख्य आरोपी अर्जुन गोस्वामी पुत्र मनोहर को गिरफ्तार किया है। अर्जुन करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के कुम्हौरा गांव का रहने वाला है। वहीं दूसरा आरोपी विश्वनाथ सिंह पुत्र भगवती सिंह नवाबगंज के तुलसीपुर मांझा गांव का निवासी है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध नकली नोट छापने के आरोप में आठ धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

नकली नोट छापने वाले आरोपीयों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अभय सिंह, एसआई उत्कर्ष पाण्डेय और विभव सिंह समेत सिपाहियों में सुनील यादव, रोशन सिंह, राम अवतार, अरविंद यादव, सुरेन्द्र कुमार, अभिषेक यादव, विनय राय महिला आरक्षी अर्चना सिंह, नीलू सिंह के नाम शामिल हैं।

नकली नोट छापने के मामले में शनिवार को नवाबगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी चार साल पहले भी नगर कोतवाली पुलिस ने इसी आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आरोपियों के ऊपर गैंगस्टर की कार्रवाई भी की गई थी पर जेल से बाहर आने के कुछ दिनों के बाद दोनों ने फिर से नवाबगंज और अयोध्या में अपना ठिकाना बनाते हुए छापाई के सभी उपकरण, केमिकल, कागज आदि जुटाकर नकली नोट छापने का काम करने लगे थे। गिरफ्तार आरोपी अर्जुन इस काले कारोबार का मास्टर माइंड बताया जाता है और नकली नोट छापने में उसे महारत हासिल है। दूसरा आरोपी इन रुपयों को बाजार में खपाने का काम करता था।

ऊर्जा मंत्री ने पाकिस्तान को दिया नया नाम 'पापकिस्तान'

भीख मांगने वाला देश, भारत को आंख दिखा रहा, देश विरोधी ताकतें बढ़ा रहीं मनोबल

संवाददाता—गोण्डा। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने शनिवार को गोंडा में एक कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहाकि जिस देश के पास अपने नागरिकों को भरपेट भोजन देने की ताकत नहीं है, वह भारत जैसे सशक्त राष्ट्र को चुनौती दे रहा है। ऊर्जा मंत्री ने अपने भाषण में पहलगाम आतंकी हमले की घटना का जिक्र किया और मृतकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा– निर्दोष लोगों की हत्या करने वाला देश पाक तो कतई नहीं हो सकता है। ऐसे देश को तो पाकिस्तान नहीं, 'पापकिस्तान' कहा जाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की यह हिम्मत इसलिए बढ़ती है क्योंकि हमारे देश में कुछ देशविरोधी ताकतें मौजूद हैं, जो उसे अप्रत्यक्ष समर्थन देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब दिया है और भविष्य में भी जरूरत पड़ी तो देश जवाब देना जानता है। मंत्री ने कहा कि भारत 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त राशन दे रहा है, जबकि पाकिस्तान की कुल आबादी इससे कई गुना कम है। भारत हर व्यक्ति को भोजन देने में सक्षम है। लेकिन पाकिस्तान, जो खुद भीख मांगता है, खुद की जनता को खिलाने की औकात नहीं है। वह देश भारत में घुसकर पर्यटकों की हत्या करता है।

कार्यक्रम के दौरान जब कैसरगंज के भाजपा सांसद करण भूषण सिंह ने 18 घंटे बिजली न मिलने की शिकायत उठाई तो मंत्री ए.के. शर्मा ने जवाब में कहा कि पहले ऐसा होता था। अब भाजपा सरकार में बहुत सुधार हुआ है। कभी–कभी तकनीकी समस्याओं के चलते बिजली बाधित हो जाती है, लेकिन ऐसी कोई नियमित समस्या नहीं है। सबकी अपनी सोच होती है। तरबगंज में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने बेलसर नगर पंचायत में 50 करोड़ से अधिक लागत के 180 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि योगी–मोदी सरकार में गांव–गांव में विकास पहुंचा है। पहले जो कार्य सिर्फ कागजों पर होते थे, अब जमीन पर दिखते हैं।

इस दौरान कार्यक्रम में भाजपा विधायक प्रेम नारायण पांडे (गोंडा), प्रभात कुमार वर्मा (गौरा), अजय सिंह (करनैलगंज), रमापति शास्त्री (मनकापुर) तथा भाजपा जिलाध्यक्ष अमरकिशोर समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्वामी प्रसाद भौंकते रहते हैं, भौंकने दीजिए, सेना अच्छा कर रही –बृजभूषण सिंह

संवाददाता—गोण्डा। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बार–बार सवाल उठे रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य को भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने जवाब दिया है। गोंडा में बृजभूषण सिंह ने कहा, स्वामी प्रसाद को भौंकने दीजिए। इससे पहले भी बहुत भौंके हैं।

सेना अच्छा कर रही है। सरकार और सेना कोई भी निर्णय सोच–समझकर लेती है। इसका जवाब सही समय पर मिलेगा। स्वामी प्रसाद जैसे लोगों के बयान का कोई मतलब नहीं है, ऐसे लोग बोलते रहते हैं। राहुल गांधी के विदेश नीति और राफेल पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए बृजभूषण ने कहा कि उनकी बौद्धिक क्षमता पर तरस आता है। राहुल प्रधानमंत्री को पीएम नहीं मानते। उनको लगता है कि प्रधानमंत्री पद उनके घर का पेटेंट है। उन्होंने सवाल भी पूछा– क्या राहुल गांधी को देश और सेना पर भरोसा नहीं है? बृजभूषण शरण सिंह ने गोंडा में अपने निवास पर लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कुश्ती महाकुंभ के बारे में जानकारी दी। बताया, इस प्रतियोगिता में 25 राज्यों के 600 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। विजेता पहलवान वियतनाम में होने वाली अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। बृजभूषण ने कहा कि कुश्ती पर से संकट के बादल हट गए हैं। सभी नेशनल चैंपियनशिप समय पर हो रही हैं। सरकार के पूर्ण समर्थन से कुश्ती की सारी गतिविधियां संघ के साथ मिलकर चल रही हैं। गोंडा के बाद बृजभूषण शरण सिंह शनिवार को एक निजी कार्यक्रम में सुल्तानपुर पहुंचे। यहां मीडिया से बात करते हुए बृज भूषण शरण सिंह नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी पर जमकर हमलावर दिखे। उन्होंने कहा कि पूप बोले चलनी बोले जिसमें 72 छेद । 1971 में कांग्रेस ने 92 हजार सैनिक 6 महीने खिलाया–पिलाया फिर छोड़ दिया। दुनिया के इतिहास में पहली बार हुआ था।

बृज भूषण शरण सिंह ने कहाकि राहुल गांधी के चार–छह साल के बयान देख लीजिए, यह कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि राहुल जैसे नेता को ढो रहे हैं। इनकी पार्टी इसी में समाप्त हो गई और बाकी जो बची है, समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा– अभी मैं उनका बयान देख रहा हूं। पूछ रहे थे कि कितने जहाज गिरे? क्या आप चाहते हैं, हिंदुस्तान के सब जहाज पाकिस्तान ने मार गिराए। इसी में आपको खुशी होगी क्या। आप ये हिसाब–किताब, लेखा–जोखा जो मांग रहे हैं, ये दस रोज बाद आप नहीं मांग सकते? बृज भूषण शरण सिंह ने कहा कि आप (राहुल) कहते थे कि सरकार जो भी करेगी हम उसके साथ हैं। अरे अभी राख भी ठंडी नहीं हुई महाराज (राहुल गांधी) लेखा–जोखा मांगने लगे। आप (राहुल) ऐसा लेखा–जोखा मांगते हो, ऐसा प्रश्न करते हो, जिससे पाकिस्तान में खुशी की लहर दौड़ जाती है। पाकिस्तान की मीडिया उसको उठाती है।

बृज भूषण ने राहुल से पूछा कि क्या आपको अपनी देश की सेना पर भरोसा नहीं है? मैं तो मानता हूं कि आप प्रधानमंत्री को प्रधानमंत्री नहीं मानते हो। क्योंकि प्रधानमंत्री मानने में बड़ी दिक्कत होगी। आपको लगता है कि प्रधानमंत्री पद जो है ये मेरे खानदान का पेटेंट है। ये मेरा ही पेटेंट है। तो न मानो प्रधानमंत्री। क्या इस देश को अपनी देश मानते हो? इस देश की सेना को अपनी सेना मानते तो ऐसा सवाल न करते। इसलिए मैं इस बयान की घोर निंदा करता हूं।

बीते 10 मई को भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद अचानक सीज फायर हो गया था। इस पर राहुल गांधी समेत समूचा विपक्ष बीजेपी सरकार की आलोचना कर रहा है। पाकिस्तान से तनाव के बीच किसी भी देश ने भारत के पक्ष में खड़े न होने पर विदेश नीति पर सवाल उठाए थे। राहुल गांधी खासकर विदेश मंत्री के उस बयान पर ज्यादा मुखर थे, जिसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान से जानकारी साझा करने की बात कही थी। इसी को लेकर राहुल गांधी इन दिनों बीजेपी नेताओं के निशाने पर हैं।

फाइलेरिया की जांच के लिए 68 लोगों के लिए गए खून के नमूने

संवाददाता—गोण्डा। पंडरी कृपाल ब्लॉक के टिकरिया गांव में शुक्रवार की रात फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत एक विशेष नाइट ब्लड सर्वे (एनबीएस) शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुलसीपुर कोंडरी से जुड़े क्षेत्र में स्थानीय निवासी उत्तम के घर आयोजित हुआ। जिसमें 20 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं और पुरुषों के कुल 68 रक्त नमूने लिए गए। नाइट ब्लड सर्वे रात 10 से 12 बजे के बीच 20 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों में ही किया जाता है, क्योंकि फाइलेरिया के परजीवी इसी समय रक्त में सक्रिय रहते हैं। जांच शिविर की सफलता में स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

सीफार संस्था के तकनीकी सहयोग से स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित सीएचओ–रोगी हितधारक समूह (पीएसपी) के सदस्य जिनमें ग्राम प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र मिश्रा, आशा कार्यकर्ता हसीना बानो व हसीना बेगम, एसएचजी सदस्य कुशुम पांडे, कोटेदार हिम्मत अली, और स्वयंसेवक फारुख व फिरोज शामिल हैं। इन लोगों ने मिलकर गांव में प्रचार–प्रसार किया। रात में जांच कराना मुश्किल, मिला पूरा सहयोग रू टिकरिया गांव की आशा कार्यकर्ता हसीना बेगम ने बताया कि फाइलेरिया की जांच रात में होती है और गांव के लोग जल्दी सो जाते हैं। ऊपर से ये बीमारी जिसके लक्षण 10 से 15 साल बाद दिखाई देते हैं, तो लोगों को समझाना और भी मुश्किल होता है। अगर समुदाय का सहयोग न होता, तो मुझे अकेले ही सबको बुलाना पड़ता। लेकिन इस बार पीएसपी सदस्यों के सहयोग से लोग आसानी से जांच के लिए आ गए और 68 व्यक्तियों के रक्त नमूने लिए गए। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र मिश्रा ने बताया कि गांव के लोग अब फाइलेरिया के लक्षणों को पहचानने और समय पर जांच कराने के महत्व को समझने लगे हैं। इस एसीएमओ डॉ. सी के वर्मा ने बताया कि यह सर्वे 19 मई से चल रहा है। हर ब्लॉक में एक सेंटिनल और एक रैंडम क्षेत्र चुना गया है। तुलसीपुर कोंडरी क्षेत्र में 300 स्लाइड का लक्ष्य तय है, जिसमें टिकरिया गांव सहित अब तक 210 सैंपल लिए जा चुके हैं। शेष के लिए रात में जांच सत्र जारी हैं। शिविर के दौरान जिला मलेरिया अधिकारी, राज्य प्रतिनिधि डॉ. शोएब, पाथ संस्था से आलोक कुमार, और मलेरिया निरीक्षक सुनील कुमार चौधरी रहे।

भारत माता की जय के साथ निकाली गई शौर्य यात्रा

संवाददाता—श्रावस्ती। कटरा बाजार में भारतीय सेना के शौर्य की सराहना करते हुए तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाया गया है और जय जवान, भारत माता की जय का नारा लगाया गया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना के पराक्रम को सम्मान देने के लिए भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली। भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज दूबे के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कटरा बाईपास से कटरा बाजार होते हुए तिरंगा यात्रा निकालकर सेना के शौर्य को सलाम कर सम्मान और आभार व्यक्त किया। मंडल अध्यक्ष मनोज दूबे ने कहा कि इतिहास में पहली बार परमाणु हथियार संपन्न देश के ऊपर ऐसी कार्रवाई की गई। पहली बार सिंधु जल समझौता तोड़ा गया। भारतीय वायु सेना के कार्रवाई से पाकिस्तान के लगभग प्रत्येक शहर के आतंकी ठिकानों और उनके एयर बेस को ध्वस्त किया गया। महराज प्रकाश तिवारी उर्फ बब्बू प्रधान ने कहा कि भारत के एयर डिफेंस सिस्टम और मिसाइलों ने पाकिस्तान को खैरात मिले, अमेरिका चीन,तुर्की अन्य देश के हथियारों निष्प्रभावी और नष्ट कर दिया। तिरंगा यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम, भारतीय सेना जिंदाबाद, वीर बलिदानी अमर रहें के जयकारों के साथ सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। मौके पर अनिल कुमार तिवारी, पीयूष तिवारी, अभिषेक दूबे, राहुलनाथ त्रिपाठी, पवन कुमार तिवारी, बलदाऊ पाण्डेय सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

बर्ड फ्लू के लिए जिले में हुई 133 सैम्पलिंग, स्थिति सामान्य

संवाददाजा—महराजगंज। गोरखपुर के चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू व कौओ में संक्रमण मिलने के बाद महराजगंज में भी पशुपालन विभाग चौकन्ना हो गया है। जिले से कई मुर्गी फार्मों से कुल 133 मुर्गियों का सैम्पल भेजा गया, लेकिन जिले राहत वाली बात है कि जिले में कहीं कोई संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं मुर्गे के रेट में भी कोई अंतर नहीं है और पहले की तरह की खूब बिक्री हो रही है। एहतियात के तौर पर पशुपालन विभाग लगातार जांच व साफ–सफाई कराने में जुटा है। गोरखपुर के चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू मिलने के बाद महराजगंज में भी अलर्ट घोषित हो गया। आनन–फानन में संक्रमण की जांच व रोकथाम की कार्यवाही शुरू हो गई। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने तहसीलवार पशु चिकित्साधिकारियों की टीम गठित कर नजर बनाए रखने व जांच करने का निर्देश दिया। फागिंग व साफ सफाई भी युद्ध स्तर पर शुरू हो गया। महराजगंज में करीब 25 से अधिक पोलिट्री फार्म हैं। इसमें से 133 मुर्गियों का सैम्पल जांच के लिए भेजा गया। लेकिन अब तक किसी में खतरे वाली बात नहीं है। इससे जिला अब तक सेफ है। हालांकि विभाग लगातार सफाई व फागिंग करा रहा है। तहसीलों में त्वरित कार्यवाही दल (आरआरटी) भी भमणशील है। प्रत्येक टीम में एक उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी, अनुचर आदि शामिल हैं। अभी सेफ हैं गोसदन व मुर्गी फार्म जिलेके सभी गोसदन, गोआश्रय स्थलों, गो संरक्षण केंद्रों, कान्हा हाउस व पोल्ट्री फार्मों पर जरूरी दवाओं को छिड़काव कराया जा रहा है। चिकित्सकों की टीम मुर्गी फार्मो व गोशालाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। यहां किसी पशु में फ्लू जैसा लक्षण नहीं आया है। ये दिखते ही पशु पालन विभाग से सम्पर्क करें मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. हौसला प्रसाद ने बताया कि बर्ड फ्लू के लक्षण में खांसी, बुखार, गले में खराश, छींक, नाक बहना, मांसपेशियों में दर्द, सिर दर्द, सांस लेने में तकलीफ, पेट की समस्या हैं। संक्रमित जानवरों व पक्षियों के सम्पर्क में आने वाला व्यक्ति भी इससे संक्रमित हो सकता है। ऐसे में ये लक्षण दिखते ही मुर्गी फार्म संचालक व गोसदन के जिम्मेदार तुरंत पशु चिकित्साधिकारी से सम्पर्क करें या या विभाग को सूचित करें। मुर्गे के रेट में कोई अंतर नहीं गोरखपुर में बर्ड फ्लू मिलने के बाद भी महराजगंज में बर्ड फ्लू को लेकर मुर्गी फार्मों पर कोई डर नहीं है। यही कारण है कि बीते दो माह से मुर्गा के रेट में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। दो माह पहले भी मुर्गा को रेट 230 से 240 रुपये प्रति किलो था और आज भी यही रेट बिक रहा है। गोरखपुर में बर्ड फ्लू को देखते हुए जिले में अलर्ट कर दिया गया है। हर तहसील में आरआरटी गठित कर दिया गया है। सभी पोल्ट्री फार्मो व गोसदनों में दवाओं का छिड़काव शुरू करा दिया गया है। 133 सैम्पल भेजा गया, लेकिन इसमें खतरे वाली बात कोई नहीं है। डॉ. हौंसला प्रसाद, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

नहाते समय नहर में डूबे दो भाई, पुलिस गोताखोरों की मदद से तलाश में जुटी

संवाददाता—श्रावस्ती। शनिवार की दोपहर नहाते समय दो भाई नहर में डूब गए। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। कुछ ही देर में लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस गोताखोरों की मदद से उनकी तलाश करने में जुटी है।

मामला हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के देवरा के माजरा भाटनदेवरा गांव का है। गांव निवासी सरवर (24) पुत्र शेर अली अपने छोटे भाई बसारत (22) के साथ दोपहर को रापती सरयू योजक नहर में नहाने गया था। दोनों ने अपनी चप्पल, कपड़ा, साबुन, तौलिया समेत अन्य सामान नहर के किनारे रख दिया। इसके बाद नहर में नहाने लगे।

इसी समय पैर फिसलने से सरवार अचानक गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बसारत भी गहरे पानी में उतर गया। कुछ ही देर में दोनों भाई नहर में डूब गए। पास में मवेशी चरा रहे चरवाहों ने देखा तो भागकर पहुंचे। उन्होंने गांव आकर इसकी सूचना ग्रामीणों और परिजनों को दी। खबर मिली तो परिजन और ग्रामीण भागकर पहुंचे। उधर सूचना पर नायब तहसीलदार विजय प्रकाश गुप्ता के साथ मौके पर थानाध्यक्ष सौरभ सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस गोतोखोर की मदद से दोनों की तलाश करा रही है।

सूचना का अधिकार कानून नागरिकों का सशक्त हथियार

संवाददाता—कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त पी एन द्विवेदी ने कहा कि सूचना का अधिकार कानून नागरिकों को सशक्त बनाता है। यह कानून भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में मदद करता है।

उन्होंने कसया नगर के महर्षि अरविंद विद्या मंदिर में आयोजित संगोष्ठी में सूचना के अधिकार की जानकारी दी। नागरिक किसी भी सरकारी अधिकारी से सार्वजनिक सूचना मांग सकते हैं। अधिकारी को 30 दिन के अंदर सूचना देनी होगी।

सूचना न मिलने पर जिले के वरिष्ठ अधिकारी के पास पहली अपील की जा सकती है। इसके बाद भी सूचना न मिले तो आयोग में अपील की जा सकती है। सूचना प्राप्त करने के लिए 10 रुपए शुल्क देना होगा। बीपीएल कार्ड धारकों को यह सेवा मुफ्त मिलेगी। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने बताया कि यह कानून 2005 में बनाया गया। स्व–वित्त पोषित संस्थानों की जानकारी उन्हें मान्यता देने वाले अधिकारी से मांगी जा सकती है। हालांकि, देश की संप्रभुता से जुड़ी और व्यक्तिगत सूचनाएं नहीं दी जाएंगी।

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार रोकना है। अगर अधिकारी समय पर सूचना दें तो लोगों को आयोग तक नहीं जाना पड़ेगा। नागरिक घर बैठे ऑनलाइन भी सूचना प्राप्त कर सकते हैं।

इससे पूर्व मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया और छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अतिथि परिचय राकेश कुमार शुक्ला ने दिया। संघ के विभाग प्रमुख सीएस सिंह ने आभार व्यक्त किया। समापन वंदे मातरम के सामूहिक गान से हुआ। संचालन यूएनपीजी पडरौना की प्राचार्य ममता मणि त्रिपाठी ने किया। इस दौरान

डा. कालिंदी त्रिपाठी, राजेश शुक्ला, डा अनिल सिन्हा, डा. गौरव मणि त्रिपाठी, चंद्र प्रभा पाण्डेय, सुरेश गुप्ता, पयोद कांत मिश्रा, डा. रवि शंकर सिंह,

राजेश प्रसाद, दिवाकर मणि त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष आद्या पाण्डेय, पूर्व मंडल अनिल प्रताप राव, अमिताभ त्रिपाठी, प्रदीप, मुकेश दूबे, अमिय गुप्ता, चंद्र भूषण सिंह आदि मौजूद रहे।

बाघ से भिड़े तेंदुए की मौत, इंडो–नेपाल बार्डर के पास मिला शव

संवाददाता—बहराइच। इंडो–नेपाल सीमा से 50 मीटर अंदर कतर्नियां रेंज के कौड़ियाला बीट से नर तेंदुए का शव शनिवार को भोर बरामद किया गया है। डीएफओ के मुताबिक बाघ व तेंदुए में संघर्ष हुआ है, जिसके चलते श्वांसनली फटने की वजह से तेंदुए के मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की गई है। अधिकारियों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम के बाद शव को जला दिया गया है। लगातार वन्यजीवों की मौत से उनक सुरक्षा चुनौती बन गई है। नेपाल सीमा से लगा कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के कतर्नियां रेंज का कौड़ियाला बीट सीमा से लगा हुआ है। सुबह वन कर्मियों की टीम सरहद पर गश्त कर रही थी, तभी उनकी नजर महज 50 मीटर अंदर पड़े शव पर पड़ी। तेंदुए की मौत की खबर से विभागीय अधिकारी सकते में आ गए। एसडीओ व रेंजर मौके पर पहुचे। शव को रेंज कार्यालय पर लाया गया। डीएफओ ने बताया कि नर तेंदुए की उम्र करीब आठ साल है। उसकी बाघ या फिर दूसरे बड़े वन्यजीव के साथ संघर्ष हुआ है। बरामद शव के सभी अंग सुरक्षित रहे। दो पशु चिकित्सकों की टीम ने शव का पोस्टमार्टम किया। जिसमें तेंदुए की श्वांसनली पंचर पाई गई। जिसकी वजह से उसकी मौत हुई है।

थाना समाधान दिवस पर डीएम–एसपी ने सुनी शिकायतें

संवाददाता—बहराइच। जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी और पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने थाना रानीपुर और हुजूरपुर में फरियादियों की शिकायतें सुनीं। जिलाधिकारी ने बेनामी जमीन, चकमार्ग की पटाई, पैमाइश, आबादी की जमीन में निर्माण संबंधी विवाद और रास्ते के मामलों में तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए। उन्होंने राजस्व और पुलिस टीम को मौके पर जाकर जांच करने को कहा। एक प्रमुख मामले में एक ग्रामीण ने अपने हिस्से से अधिक जमीन का बैनामा करने की शिकायत की। इस पर जिलाधिकारी ने एफआईआर दर्ज करने और पीड़ित को पैसा वापस दिलाने के निर्देश दिए। तहसीलदार और लेखपालों को गांवों में जाकर अंश निर्धारण से जुड़े मामलों का निपटारा करने को कहा गया। यह समाधान दिवस हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को आयोजित किया जाता है।

ककरा घाट पुल का हुआ शिलान्यास, कई गांव को मिलेगा लाभ

संवाददाता—श्रावस्ती। राप्ती नदी के ककरा घाट पर पक्का पुल निर्माण शुरू हो गया है। श्रावस्ती विधायक राम फेरन पाण्डेय ने भूमि पूजन करके शनिवार को पुल की आधार शिला रखी। श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडेय के प्रयास से ककरा घाट पर पक्के पुल के निर्माण को मंजूरी मिली थी। यह पुल नरायनजोत खैरी के पास राप्ती नदी पर बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की ओर से पुल का निर्माण शुरू किया गया है। 273 मीटर लंबे और 11.30 मीटर चौड़े पुल के बन जाने से दोआबा क्षेत्र के पांच दर्जन से अधिक गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा।

पूजन करते हुए विधायक रामफेरन पांडेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से श्रावस्ती विधानसभा क्षेत्र में दो बड़े नए पुल को मंजूरी दी गई थी। जिसमें सिसवारा घाट पर पुल बन कर तैयार है। जबकि ककरा घाट पर पुल की आधारशिला रख दी गई है। इसका निर्माण दो वर्ष में पूरा होगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम को 54 करोड़ दिए गए हैं। इसके साथ ही सड़क व सुरक्षा के लिए 16 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। राप्ती नदी ककरा घाट सेतु के निर्माण हो जाने से क्षेत्र के ग्राम मनकौरा, नरायनजोत, मलौना खसियारी, मझौवा सुमाल, गुलवरिया, किडिहौना, एकघरवा, बरातभारी,सेमरी तरहर, गनेशपुर,लक्ष्मनपुर बाजार,मथुरा बाजार, ललिया बाजार,जोखवा बाजार, सिरसिया, बरदौलिया, तुलसीपुर देवीपाटन व विभूति नाथ मंदिर आदि तक पहुंचने में आसानी होगी। इस भूमि पूजन में जिला पंचायत बलरामपुर प्रतिनिधि श्याम किशोर तिवारी, उप जिलाधिकारी ओमप्रकाश ,सहायक अभियंता मनीष कुमार श्रीवास्तव, प्रमुख प्रतिनिधि गिलौला प्रकाश,चंद्र कुमार मिश्रा, बृजेश कुमार दूबे,पप्पू वर्मा, बिन्नू तिवारी, चंद प्रकाश, राकेश प्रताप सिंह, सतीश जायसवाल, सत्यराम विश्वकर्मा,सुमित मिश्रा आदि भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

बिहार के पशु तस्कर संग पुलिस का एनकाउंटर, पैर में लगी गोली, गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गश्त के दौरान पुलिस को एक पिकअप गाड़ी आती दिखाई दी। पिकअप को देखते ही पुलिस को शक हुआ। पुलिस टीम ने चेकिंग करने के इरादे से हाथ देकर पिकअप को रोका। पुलिस के सामने आ जाने पर ड्राइवर ने पिकअप को रोका लेकिन गाड़ी रुकते ही उस पर सवार लोग उतरकर भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। भाग रहे लोगों ने पीछे पड़े पुलिसवालों पर फायरिंग शुरू कर दी।

वे पुलिसवालों को लक्ष्य करके जान से मारने की नीयत से गोलियां चला रहे थे। तब पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। इसी दौरान पुलिस की एक गोली भाग रहे बदमाशों में से एक को लग गई। पुलिसवालों ने उसे पकड़ लिया। उस शख्स की पहचान साहब अंसारी पुत्र हारुन अंसारी के रूप में हुई।

साहब अंसारी मूल रूप से बिहार के जिला पश्चिमी चम्पारण (बगहा) के तमकुहा थाना धनहा क्षेत्र का रहने वाला है। उस पर गोरखपुर के शाहपुर और कैंट क्षेत्र के अलावा कुशीनगर में भी मुकदमे दर्ज हैं। कुल छह मुकदमे दर्ज हैं। साहब अंसारी के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। बता दें कि यूपी पुलिस पिछले कुछ दिनों से ताबड़तोड़ एनकाउंटर कर रही है। यूपी पुलिस के एक्शन से अपराध जगत में खलबली मची हुई है। लड़खड़ाकर जमीन पर गिर गया था। साहब के गिरते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने एक तमंचा .315 बोर, एक खोखा, एक कारतूस और घटना में इस्तेमाल पिकअप बरामद की है। एनकाउंटर गोरखपुर के शाहपुर इलाके में हुआ।

शुक्रवार की आधी रात को पुलिस को गश्त के दौरान एक पिकअप गाड़ी आती दिखाई दी। पिकअप को देखते ही पुलिस को शक हुआ। पुलिस टीम ने चेकिंग करने के इरादे से हाथ देकर पिकअप को रोका। पुलिस के सामने आ जाने पर ड्राइवर ने पिकअप को रोका लेकिन गाड़ी

शिक्षक भर्ती में धोखाधड़ी का आरोप, 69 हजार में 19000 नौकरियों के साथ हुआ धोखा –सपा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार झूठ का सहारा लेकर लोगों को भ्रमित कर रही है। श्यामलाल पाल ने प्राइमरी शिक्षक भर्ती मामले को उठाते हुए कहा कि 69 हजार शिक्षकों की भर्ती में 19000 नौकरियों के साथ धोखा किया गया है। उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद पात्र उम्मीदवारों का चयन नहीं किया गया। सरकार ने मामले को सुप्रीम कोर्ट में भेज दिया है।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भर्ती में हुई अनियमितताओं को छिपाने के लिए इलाहाबाद में शिक्षा विभाग की 5 हजार फाइलें जला दी गईं। उन्होंने कहा कि सरकार संविधान में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को दिए गए आरक्षण को समाप्त करने की कोशिश कर रही है। श्यामलाल पाल ने पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि पुलिस हिरासत में लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। जिससे कई लोग आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं।

दो वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पुलिस ने शनिवार को एक पुराने मामले में दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। खेसरहा थाना पुलिस ने बदुरहना गांव से इन दोनों को पकड़ा। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद और क्षेत्राधिकारी बांसी पवीन प्रकाश के मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष जगतनारायण यादव ने टीम के साथ यह गिरफ्तारी की। दोनों आरोपी एक ही परिवार के हैं। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में हरिनाथ और बैजनाथ शामिल हैं। दोनों सत्यनारायण के पुत्र हैं और बदुरहना गांव के रहने वाले हैं। इन पर वर्ष 2017 का एक मामला दर्ज है।

सड़क किनारे झाड़ियों में मिली युवती, हालत गंभीर रेफर

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा थाने के रामजानकी मार्ग पर एक युवती शुक्रवार की रात सड़क किनारे झाड़ियों में एक युवती मरणासन्न हालत में बरामद हुई। राहगीर की सूचना पर पहुंची पुलिस व आसपास के लोगों ने इलाज के लिए एम्बुलेंस से सीएचसी हैंसर भेजवाया। हालात गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे गोरखपुर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। ६ नघटा पुलिस के अनुसार रामजानकी मार्ग पर सेंट थामस स्कूल के आगे झाड़ियों में लगभग 22 साल की एक युवती मरणासन्न हालत में पड़ी मिली। कुछ राहगीरों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोहरैया पुलिस चौकी के कर्मियों ने उसे इलाज के लिए एम्बुलेंस से सीएचसी हैंसर भेजवाया। युवती के शरीर, आंख व सर में गंभीर चोट के निशान लगे हैं। वहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सक ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में भी इलाज के दौरान हालत न सुधरने पर मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। वह कुछ बता पाने की स्थिति में नहीं। युवती कहां की रहने वाली है, किस तरह से वहां पहुंची इसके बारे में जानकारी नहीं हो पा रही है। पुलिस का कहना है कि उसके होश में आने के बाद ही कुछ जानकारी हो पाएगी। उसके होश में आने का इंतजार किया जा रहा है।

राजकीय सम्मान के साथ हुआ शहीद लेफ्टिनेंट शशांक का अंतिम संस्कार

संवाददाता–अयोध्या। सिविकम में शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी अयोध्या में पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका अंतिम संस्कार पवित्र सरयू के जमथरा घाट पर किया गया। मुखाग्नि शहीद के पिता जंग बहादुर तिवारी ने दी। इस दौरान सेना के अफसरों ने शहीद के पिता को ढांढस बंधाया। इससे पहले शहीद के आवास से हजारों की संख्या में स्थानीय लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। सेना के अधिकारियों ने जमथरा घाट पर श्रद्धांजलि देते हुए सलामी दी। रामनगरी के लाल शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का पार्थिव शरीर शुक्रवार की रात उनके गद्योपुर मझवा स्थित आवास पहुंचा। सेना के अधिकारी मिलट्री हॉस्पिटल से पार्थिव शरीर लेकर उनके घर पहुंचे। शनिवार को सुबह से उनके घर पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। जनप्रतिनिधियों के साथ ही स्थानीय नागरिकों ने शशांक को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सेना के जवान पार्थिव शरीर को लेकर सरयू के जमथरा घाट पहुंचे। इस दौरान भारत माता की जय, शहीद शशांक अमर रहें..जैसे नारों से क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। वहां पर शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी गौरव ग्रोवर, डोगरा रेजीमेंट सेंटर के उच्चाधिकारियों और विधायक वेद प्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव, अमित सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, पूर्व मंत्री पवन पांडेय, पूर्व मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव समेत अन्य लोगों ने शहीद शशांक तिवारी को श्रद्धांजलि दी।

निजीकरण मामले पर मुख्यमंत्री करें हस्तक्षेप

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वाधान में अधीक्षण अभियंता कार्यालय परिसर में कर्मियों का कार्य बहिष्कार जारी रहा। इस दौरान कर्मचारियों ने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम पर प्रबंधन हठवादी रवैया अपनाए हुए है। कर्मचारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि वे इस मामले में प्रभावी हस्तक्षेप कर निजीकरण की प्रक्रिया को निरस्त कराएं। लगातार तीसरे दिन बिजली कर्मियों ने प्रदेश भर में तीन घंटे का विरोध प्रदर्शन जारी रखा। बिजली कर्मचारियों ने कहा कि इस भीषण गर्मी में कर्मचारी उपभोक्ताओं को कोई तकलीफ नहीं देना चाहते हैं।

इसी दृष्टि से पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारी शांतिपूर्वक ध्यान आकर्षण आंदोलन चला रहे हैं। किंतु प्रबंधन इस ध्यान आकर्षण आंदोलन को हड़ताल बताकर बिजली कर्मियों को डराने, धमकाने, उत्पीड़न करने, ट्रांसफर करने, संविदा कर्मियों की बड़े पैमाने पर छंटनी करने समेत अन्य उत्पीड़नात्मक कदम उठाकर ऊर्जा निगमों में अनावश्यक तौर पर अशांति का वातावरण बना रहा है। शैलेन्द्र यादव ने कहा कि बिजली कर्मचारियों का मुख्यमंत्री पर पूरा विश्वास है। उनके नेतृत्व में बिजली कर्मचारियों ने 2017 में 41 प्रतिशत एटीएंड सी हानियों को घटाकर 2024 तक 16.5 प्रतिशत कर दिया है। किंतु निजी घरानों से मिलीभगत के चलते पावर कारपोरेशन का प्रबंधन उनके सामने झूठे मनगढ़ंत आंकड़े रखकर घाटे का हवाला देकर निजीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहा है। पावर कार्पोरेशन प्रबंधन द्वारा शांतिपूर्वक ध्यानाकर्षण आंदोलन को हड़ताल बताते हुए जिलाधिकारियों को भेजे गए पत्र के बाद जिलाधिकारी ने बिजली कर्मचारियों के स्थानीय नेताओं को बुलाकर बात की। बिजली कर्मचारियों के स्थानीय नेताओं ने जिलाधिकारी को स्पष्ट बता दिया है कि वे संघर्ष समिति के निर्णय का पालन करेंगे और निजीकरण के संबंध में यदि कोई भी बात की जानी है तो विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय नेताओं से की जाए।

अब बस दो महीने का इंतजार शेष, रामजन्मभूमि के सभी मंदिरों में होने लगेंगे दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में शनिवार को राम मंदिर निर्माण समिति की दूसरे दिन की बैठक की गई। बैठक के पहले भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने राम मंदिर निर्माण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परकोटा में 31 मई को भोलेनाथ विराजमान होंगे। जितनी भी मूर्तियां स्थापित हो गई हैं, उनकी प्राण प्रतिष्ठा के लिए तीन जून से अनुष्ठान शुरू होगा। पांच जून को प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि मंदिर अब अपनी पूर्णता की ओर है। परकोटा का 90 फीसदी काम जुलाई तक पूरा हो जाएगा। 2025 के अंत तक राम मंदिर के सभी निर्माण पूरे हो जाएंगे। लक्ष्य प्राप्ति के लिए हम लोग पूरी तरह से आशावान हैं कि मंदिर का निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा। आगे बताया कि संग्रहालय और सभागार का काम अभी शुरू हुआ है। इसका काम अप्रैल 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। श्रद्धालु अप्रैल 2026 से संग्रहालय का अवलोकन कर सकेंगे। रामजन्मभूमि परिसर में सभी मंदिरों और अन्य स्थानों पर दो माह के अंदर श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति दे दी जाएगी।

सरकारी गोदामों पर पहुंचा 1600 कुंतल धान का बीज

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में मई माह के दूसरे पखवाड़े में झमाझम हुई बरसात किसानों के लिए सौगात लेकर आई है। इससे किसान खरीफ फसल की तैयारी में जुट गए हैं। धान की बेरन डालने का समय आ गया है और अगले महीने में धान की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करनी भी जरूरी है। इसी के साथ कृषि विभाग के गोदामों पर धान के बीज उपलब्ध हो गए हैं। किसान अपनी पसंद के बीज खरीद सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी डॉक्टर सर्वेश कुमार का दावा है कि प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर किसानों को बीज वितरित किया जाएगा। जिले में लगभग 1750 कुंटल धान बीज वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में कृषि विभाग के गोदाम पर अब तक 16 कुंतल बीज का आवंटन कर दिया गया है। गोदाम पर तेलंगाना 16 साभा मंसूरी, 2064, 2065 के साथ सात वैरायटी के धन उपलब्ध हो गए हैं। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जिले की खेती के लिए उपयुक्त सभी प्रजातियों को ही मंगाया गया है। इन प्रजातियों की खेती कर किसान अधिकतम उपज हासिल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 150 कुंटल और धान बीज जल्द ही और गोदाम पर पहुंच जाएगा। ब्लाक स्तरीय गोदाम से किसान अपने पसंद का बीज खरीद सकते हैं। बुवाई से पहले बीज का शोधन जरूरी खेत की रोपाई की तैयारी के साथ–साथ धान की बेरन डालने का यही उपयुक्त समय है। किसानों को चाहिए कि खेत में धान की बेरन डालने से पहले बीज शोधन जरूर कर लें। इससे धान में फुलेरी रोग लगने की आशंका कम हो जाती है। किसान ध्यान बीज का शोधन थीरम, कापरआक्सी क्लोराइड और ट्राइकोडर्मा से कर सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि भूमि शोधन और बीज शोधन किया जाए तो धान की फसल में रोग लगने की आशंका बहुत कम रहती है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी इन्द्रावती देवी पत्नी स्वर्गीय राकेश ग्राम मूडाडीहा उर्फ भोपालपुर पोस्ट हनुमानगंज जनपद बस्ती की निवासिनी हूं मेरे पुत्र मोनू जिसकी जन्मतिथि 01–01–2014 है जिसका नाम आधार कार्ड में सोनू हो गया है जो गलत है जिसे सुधारकर सोनू के स्थान पर मोनू कराया जाय।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–

सुखराम

बनाम

रवीश चन्द्र आदि

1. रवीश चन्द्र पुत्र रामसागर 2. दिनेश चन्द्र पुत्र मघई 3. गोविन्दलाल पुत्र मुसई 4. चन्दलाल पुत्र रामजस 5. रामनाथ पुत्र पंडोही 6. संतराम पुत्र रामानन्द ग्राम इटैली तप्पा पिलाई परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 02–06–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 06 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 15 माह 05 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

पति को वीडियो कॉल कर पत्नी ने किया आत्महत्या

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के पिपरौली पश्चिम मुहल्ले में किराए के मकान में रह रही महिला ने शुक्रवार की देर रात फंदे से लटक कर आत्महत्या कर लिया। इस दौरान वह पति से वीडियो काल पर बात कर रही थी। पति को जब अनहोनी की आशंका हुई तो उसने पड़ोसी को फोन किया। वह जब तक पहुंचता देर हो चुकी थी। लगभग 1 घंटे बाद फोरेंसिक टीम के पहुंचने के बाद दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया। मृतका की पहचान थाना बड़हलगंज के वार्ड नंबर 8 पुराना गोला की खुशी (28) पत्नी मोहम्मद नदीम अंसारी के रूप में हुई है। नदीम अंसारी रोजगार के सिलसिले में सउदी अरब के मदीना शहर में रहता है। अभी 15 दिन पहले ही वह मदीना गया है। देर रात खुशी ने पति को वीडियो काल किया। वीडियो काल पर ही दोनों के बीच कुछ बहस हुई। मोबाइल रात 10 बजकर 59 मिनट पर काल डिस्कनेक्ट हो गई। उसके बाद खुशी ने खिड़की के पर्दे का फंदा बनाया और पंखे से लटक कर खुदकुशी कर ली। उसका शव बिस्तर पर ही लटक रहा था। बिस्तर पर ही उसका 3 वर्ष का मासूम बच्चा सो रहा था। फोन काटने के बाद पति को जब यह एहसास हुआ कि वह फांसी लगा रही है तो उसने पड़ोस में रहने वाले छोटू को घर भेजा।

जब छोटू आया तो दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो वह फंदे से लटक रही थी। उसी ने पुलिस को सूचना दी। सूचना

पाकर मौके पर गीडा थाने के दरोगा व सिपाही पहुंच गए। लगभग एक घंटे बाद जब थानाध्यक्ष, सीओ व फोरेंसिक टीम पहुंची तब दरवाजा तोड़ा गया और शव को नीचे उतारा गया। फोरेंसिक टीम ने जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस जब घर के अंदर गई तो तीन वर्ष के मासूम को पड़ोसी ने गोद में उठाया। उस समय भी वह गहरी नींद में सो रहा था। जांच के दौरान शोर–शराबा सुनकर वह उठ गया और बिस्तर पर बैठकर मां को खोजने लगा। मां को पुकारते हुए रोने लगा। आसपास के लोगों ने उसे चुप कराने की कोशिश की लेकिन चुप नहीं हो रहा था। फिर एक पड़ोसी उसे गोद में लेकर वहां से दूर चला गया। सीओ गीडा रत्नेश्वर सिंह ने बताया कि गीडा क्षेत्र के पिपरौली में एक महिला ने फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका के परिजनों को सूचना दे दी गई है। मामले की जांच की जा रही है।

सब्जी खरीदने निकले युवक का गड्ढे में शव मिला

संवाददाता–गोरखपुर। हरपुर–बुदहट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिपरा हेमा निवासी रमेश चौहान (35) का शनिवार सुबह पुलिया के पास गड्ढे में शव मिला। वह शुक्रवार की शाम में बाजार करने के लिए घर से निकला था। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की शाम कटसहरा चौराहे पर लगने वाली साप्ताहिक बाजार में घर से सब्जी खरीदने निकला था। देर रात तक जब वह घर नहीं लौटा तो रातभर परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन रमेश का कहीं पता नहीं चला। शनिवार को रमेश चौहान का शव गांव कि पुलिया के नीचे गड्ढे में पानी में देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। परिजन शव लेकर घर चले गए। उन्होंने पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया। बताया कि रमेश नशे का आदी था, गिरने से मौत हुई है।

पत्नी पर धोखा देने का आरोप लगाकर मोबाइल टॉवर पर चढ़ा युवक

संवाददाता–गोरखपुर। पत्नी पर धोखा देने का आरोप लगाकर एक युवक शनिवार को दोपहर बाद मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया है। पुलिस उसे समझा कर नीचे उतारने का प्रयास कर रही है लेकिन वह पत्नी पर कार्रवाई की मांग कर रहा है। पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा दिया है पर शाम तक वह टॉवर पर चढ़ा रहा। गोला थाना क्षेत्र के बेलपार गांव निवासी युवक का आरोप है कि उसकी पत्नी उसे धोखा दे रही है। युवक ने कहा कि पत्नी को खेत बेच कर गोरखपुर स्थित पर पहुंचा तो कमरे में बाहर से ताला लगा मिला। मकान मालिक से ताला खुलवा कर अंदर दाखिल हुआ तो पत्नी किसी अन्य युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिली जब दोनों से सवाल–जवाब किया तो पकड़ा गया युवक वहां से

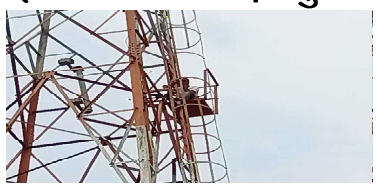

पहले अयोध्या में श्रीराम लला का दर्शन करने गया था। वहां से देर रात गोरखपुर क्वाटर पर पहुंचा तो कमरे में बाहर से ताला लगा मिला। मकान मालिक से ताला खुलवा कर अंदर दाखिल हुआ तो पत्नी किसी अन्य युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिली जब दोनों से सवाल–जवाब किया तो पकड़ा गया युवक वहां से भाग निकला। उसने पत्नी से इस बेवफाई के बारे पूछा तो वह कुछ भी नहीं बताई और अब उसी युवक के साथ रहने लगी। युवक ने पुलिस चौकी पर शिकायत की लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई। इससे आहत होकर शनिवार की दोपहर में अपने गांव के बगल गांव रामपुर बघौरा स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया। टावर के पास भारी भीड़ जमा हो गई है। सूचना पर पहुंची गोला पुलिस उसे समझा कर नीचे उतारने का प्रयास कर रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते कारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान अपर जिलाधिकारी बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–D 202417140000220

मो0 नसीर आदि

बनाम

राम सिंह आदि

1. राम सिंह 2. अमर सिंह 3. जय सिंह 4. कुंवर सिंह पुत्रगण स्व0 शंकरदीन निवासीगण साकिन मड़रिया तप्पा बनगवां परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. श्रीमती रामरती पत्नी स्व0 शिवमूरत 6. इन्द्रदेव 7. सत्यदेव 8. ब्रहमदेव 9. राजदेव 10. कपिलदेव 11. कृष्णदेव पुत्रगण स्व0 शिवमूरत निवासीगण साकिन मड़रिया तप्पा बनगवां परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 12. भूमि प्रबन्धक समिति जरिये अध्यक्ष/प्रधान साकिन मड़रिया तप्पा बनगवां परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– /2025

धारा 30 उ0प्र0रा0ज0सं0–2006

अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सुग्रीव प्रसाद आदि

बनाम

ग्राम पंचायत आदि

बावत रेंगी तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील मानपुर जिला–बस्ती

1. मंगल प्रसाद 2. जर्नादन प्रसाद 3. मुनेश्वर उर्फ मानेश्वर पुत्रगण रूद्रनाथ निवासीगण ग्राम डड्वा तप्पा रूधौली तहसील बांसी हाल मुकाम रेंगी तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरब तहसील मानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–06–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 06 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

नल में उतरा करंट, डी फार्मा छात्र की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गोला कस्बा के वार्ड नंबर 12 निवासी सर्वदानंद शुक्ल के छोटे पुत्र प्रशांत शुक्ल (28 वर्ष) की शनिवार को सुबह नित्य क्रिया के लिए नल से पानी भर रहा थे तभी अचानक नल में करंट उतर आया। जिसकी चपेट में आने से घायल हो गया। परिजन आनन–फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक दो भाई व एक बहन में सबसे छोटा था। अभी शादी नहीं हुई थी। हाल ही में अभी डी. फार्मा की ट्रेनिंग देकर घर आया था। मृतक की माता गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आशा कार्यकर्ता हैं और पिता प्राइवेट विद्यालय में शिक्षक का कार्य करते हैं।

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्प्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com